31 / 12 / 81 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

नव वर्ष पर बापदादा द्वारा दिया गया

सलोगन - "निर्बलता हटाओ"

➢➢ मैं आत्मा सदा उड़ती कला में रहती हूँ

➳_ ➳ सदा बाप समान हूँ

→ मैं आत्मा हर कदम में

→ हर संकल्प में उड़ती कला

◆ मै आत्मा डबल लाइट हूँ

• मैं स्वतंत्र आत्मा हूँ

➳_ ➳ मुझ आत्मा को सेकंड में

→ अशरीर भव का वरदान मिला

◆ और सेकंड में मै उड़ी

➳_ ➳ मुझ आत्मा को ऑर्डर मिलते ही

➳_ ➳ सेकंड में अपने स्वीट होम

→ में पहुंच जाती हूँ

◆ जहां प्रकाश ही प्रकाश हैं

• सुनहरी रोशनी ही रोशनी हैं

➳_ ➳ मै मास्टर सर्व शक्तिवान की

➳_ ➳ स्टेज द्वारा सर्व शक्तियों की.

→ रोशनी फैला रही हूँ

→ अंधकार मिटाने वाली

◆ मास्टर ज्ञानसूर्य हूँ

• सतरंगी किरणे वायुमण्डल

• में फैला रही हूँ

➢➢ मै बेहद की सेवाधारी आत्मा हूँ

➳_ ➳ मुझ आत्मा की स्मृति की स्विच

➳_ ➳ ऑन कर सेकंड में भटकती

→ आत्माओं को रोशनी में

→ लानेवाली आत्मा

◆ मै लाइट हाउस माइट हाउस

• आत्मा भटकती आत्माओं

• को राह दिखा रही हूँ

➢➢ मै मास्टर टीचर आत्मा हूँ

➳_ ➳ मुझ आत्मा द्वारा अनेक आत्माओं को

➳_ ➳ राजयोग, श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ योग

→ शिखाकर सात दिन,

→ सात घण्टे के कोर्स से

◆ आत्माओं को अंधकार से

◆ रोशनी में ला रही हूँ

• अपना अधिकार लेने के

• अधिकारी बनाती हूँ

➳_ ➳ तीन दिन की योग शिविर से भी

→ रोशनी में ले आती हूँ

→ सर्व आत्माएं खुशी खुशी

→ अपना वर्षा ले रही हैं

→ मै आत्मा अपनी तीव्र उड़ान से

→ सेकंड में अपनी स्टेज को

→ ऊंची स्थिति में ले आती हूँ

◆ बापदादा ने दी हुई शिक्षाओं को

◆ सेकंड में चैलेंज कर

• मुक्ति - जीवनमुक्ति का

• वर्षा प्राप्त करती हैं

➳ मै आत्मा तीव्र पुरुषार्थी आत्मा हूँ

➳_ ➳ अपनी स्वपरिवर्तन की गति को

➳_ ➳ उड़ती कला में लेती जा रही हूँ

→ मै आत्मा स्व प्रति

→ सबंध - संपर्क प्रति

→ विश्व सेवा प्रति

➳_ ➳ तीव्रता से उड़ता पंछी बन

➳_ ➳ ऊंची उड़ान भर रही हूँ

→ अपने लक्ष्य प्रमाण

→ गति बढ़ा रही हू

→ यह अनुभूति करा रही हूँ

◆ जिस गति से मै आत्मा

◆ अपने घर लौटकर सर्व आत्मओ को

◆ अपने राज्य में ला रही हूँ

• अपना घर अपना राज्य

➢➢ बापदादा मुझ आत्मा को नये वर्ष की बधाई दे रहे हैं

➳_ ➳ मुझ आत्मा का नया वर्ष

➳_ ➳ "वन और विन" होगा

→ मुझ आत्मा के हर संकल्प विजयी हैं

→ नए वर्ष का हर दिन विजय तिलक

→ लगाने का दिन हैं और मुझ आत्मा का

→ स्लोगन हैं मै कल्प कल्प की विजयी रत्न हूँ

◆ मै आत्मा ताज धारी हूँ

→ लाइट - माइट का ताज धारण कर रही हूँ

◆ मुझ आत्मा का शृंगार धीरे धीरे बढ़ता जा रहा हैं

◆ मैं आत्मा प्यूरीटी के कंगन धारी हूँ

• मै आत्मा अविनाशी सुहागिन हूँ

➢➢ मै आत्मा विश्व कल्याणी हूँ

➳_ ➳ मुझ आत्मा को स्वयं बाबा ने

➳_ ➳ सदा उमंग में रहने का

➳_ ➳ उत्साह से सर्व आत्माओं को आगे

➳_ ➳ बढ़ाने का कंगन पहनाते हैं

→ मै आत्मा स्वयं का और अन्य आत्माओं का

→ उमंग उत्साह निरन्तर बढ़ा रही हूँ

→ मै आत्मा हर बात में मोल्ड हो

→ रियल गोल्ड बन गई हूँ

➳_ ➳ मै विशेष सेवाधारी आत्मा हूँ

→ "निर्बल को बल देने वाला "

→ बाप की महिमा करा रही हूँ

→ मै आत्मा ब्राह्मण परिवार में

→ विश्व परिवार की आत्माओं में

→ बल भरनेवाली महाबलवान आत्मा हूँ

→ बाप से विशेष हिम्मत और मदद लेकर

◆ अन्य आत्माओं की निर्बलता हटा दी है

◆ बाबा की मददगार आत्मा हूँ

• मै निर्भय, निर्बल, निडर आत्मा हूँ

➢➢ मै सिद्धि स्वरूप आत्मा हूँ

➳_ ➳ मुझ आत्मा की विशेषता द्वारा

➳_ ➳ महानता द्वारा, सिद्धि सस्वरुप

→ सिद्धि पानेवाली

→ सर्व कार्य सिद्ध करने वाली

→ सर्व आत्माओं को सेकंड में

→ सिद्धि प्राप्त करानेवाली आत्मा हूँ

→ सिद्धि वर्ष मनानेवाली आत्मा हूँ

→ सर्व कार्य भी सिद्ध हैं

◆ संकल्प भी सिद्ध हैं

◆ और स्वरूप भी

• सदा सिद्धि स्वरूप हैं